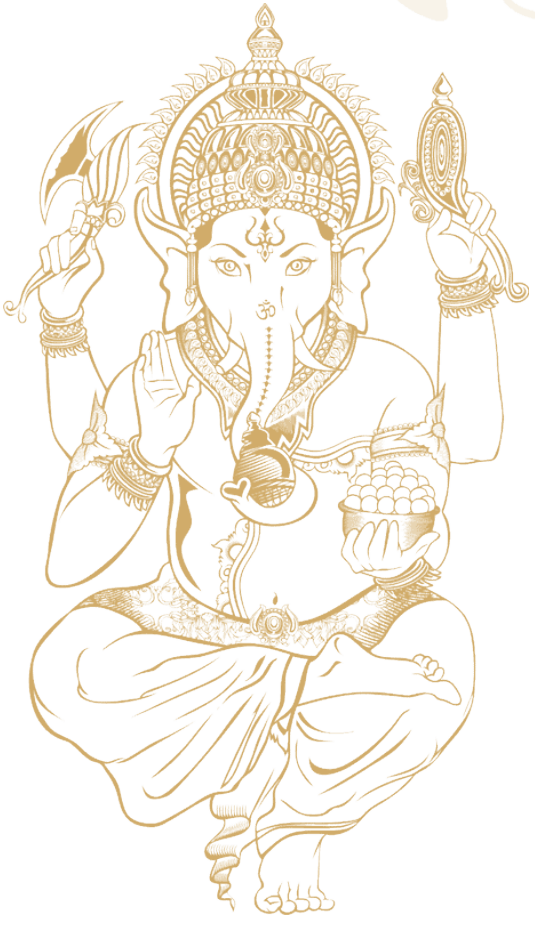

Priya bangar

02 Jul 1995

11:10 AM

Jandiala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121477106

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**02/07/1995**
दिन	रविवार
जन्म समय	**11:10:00 घंटे**
इष्ट	14:13:32 घटी
स्थान	**Jandiala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:36:00 उत्तर
रेखांश	75:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:40:12 घंटे
वेलान्तर	-00:03:53 घंटे
साम्पातिक काल	05:19:23 घंटे
सूर्योदय	05:28:35 घंटे
सूर्यास्त	19:38:40 घंटे
दिनमान	14:10:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	16:06:16 मिथुन
लग्न के अंश	27:28:25 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:28:25	310:05:17	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			मिथु	16:06:16	00:57:13	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			सिंह	03:07:28	12:27:24	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
मंगल			सिंह	25:15:07	00:33:13	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			वृष	24:28:49	01:06:27	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृश्चि	13:11:58	00:05:21	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	02:29:09	01:13:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	00:56:28	00:00:25	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		तुला	09:09:04	00:07:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	09:09:04	00:07:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	05:27:35	00:02:13	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मक	00:45:54	00:01:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	04:23:10	00:01:07	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			वृष	26:52:27	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:49

लग्न-चलित

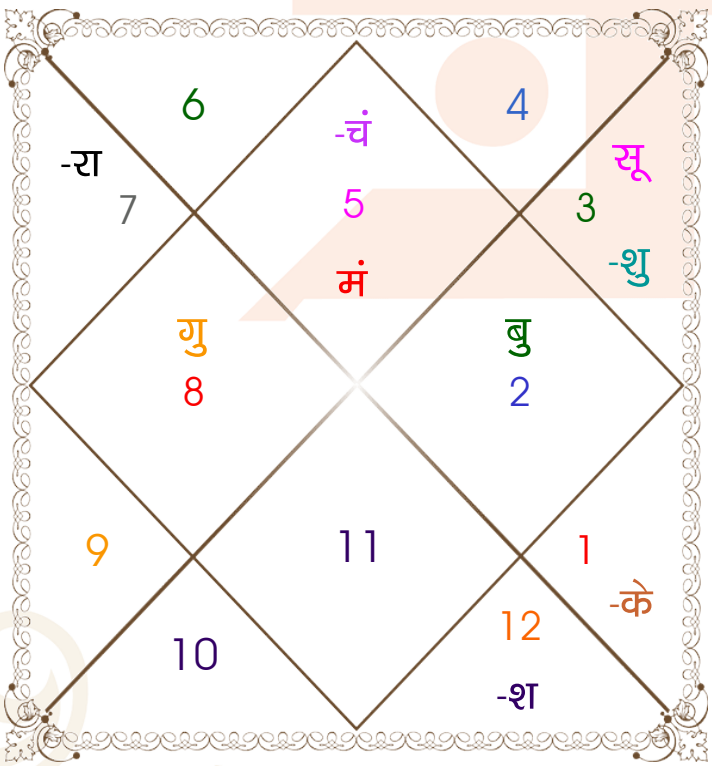

चन्द्र कुंडली

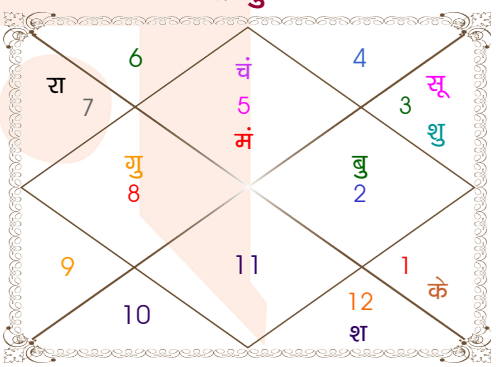

नवमांश कुंडली

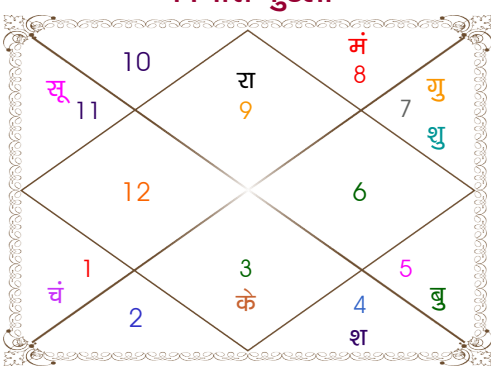

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 4 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/07/1995		10/11/2000		10/11/2020		10/11/2026		10/11/2036	
10/11/2000		10/11/2020		10/11/2026		10/11/2036		10/11/2043	
	00/00/0000	शुक्र	11/03/2004	सूर्य	27/02/2021	चंद्र	10/09/2027	मंगल	08/04/2037
	02/07/1995	सूर्य	11/03/2005	चंद्र	29/08/2021	मंगल	11/04/2028	राहु	26/04/2038
सूर्य	14/10/1995	चंद्र	10/11/2006	मंगल	04/01/2022	राहु	10/10/2029	गुरु	02/04/2039
चंद्र	14/05/1996	मंगल	10/01/2008	राहु	28/11/2022	गुरु	09/02/2031	शनि	11/05/2040
मंगल	10/10/1996	राहु	10/01/2011	गुरु	17/09/2023	शनि	10/09/2032	बुध	08/05/2041
राहु	29/10/1997	गुरु	10/09/2013	शनि	29/08/2024	बुध	09/02/2034	केतु	04/10/2041
गुरु	05/10/1998	शनि	10/11/2016	बुध	05/07/2025	केतु	10/09/2034	शुक्र	04/12/2042
शनि	13/11/1999	बुध	10/09/2019	केतु	10/11/2025	शुक्र	11/05/2036	सूर्य	11/04/2043
बुध	10/11/2000	केतु	10/11/2020	शुक्र	10/11/2026	सूर्य	10/11/2036	चंद्र	10/11/2043

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/11/2043		10/11/2061		10/11/2077		10/11/2096		11/11/2113	
10/11/2061		10/11/2077		10/11/2096		11/11/2113		00/00/0000	
राहु	23/07/2046	गुरु	29/12/2063	शनि	13/11/2080	बुध	08/04/2099	केतु	09/04/2114
गुरु	16/12/2048	शनि	11/07/2066	बुध	24/07/2083	केतु	05/04/2100	शुक्र	09/06/2115
शनि	23/10/2051	बुध	16/10/2068	केतु	01/09/2084	शुक्र	04/02/2103	सूर्य	03/07/2115
बुध	11/05/2054	केतु	22/09/2069	शुक्र	01/11/2087	सूर्य	12/12/2103		00/00/0000
केतु	30/05/2055	शुक्र	23/05/2072	सूर्य	13/10/2088	चंद्र	12/05/2105		00/00/0000
शुक्र	30/05/2058	सूर्य	11/03/2073	चंद्र	14/05/2090	मंगल	09/05/2106		00/00/0000
सूर्य	23/04/2059	चंद्र	11/07/2074	मंगल	23/06/2091	राहु	26/11/2108		00/00/0000
चंद्र	22/10/2060	मंगल	17/06/2075	राहु	29/04/2094	गुरु	04/03/2111		00/00/0000
मंगल	10/11/2061	राहु	10/11/2077	गुरु	10/11/2096	शनि	11/11/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।